वर्ष :: 33 अंक : 14
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

समस्त सुधी पाठकों व शुभचिंतकों को नूतन वर्ष 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं!

प्रकाशन का 33 वां वर्ष

/mithilavarnan

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो :: रविवार, 01 जनवरी, 2023 | News & E-paper : www.varnanlive.com | E-mail : mithilavarnan@gmail.com

हेमंत सोरेन जाएंगे जेल?

बातों-बातों में सीएम ने जताई आशंका, तीन साल के कार्यकाल की खुशी में खुद बोल गए गम की बात

देवेन्द्र शर्मा

रांची : एक हजार करोड़ रुपए के अवैध खनन और अकूत संपत्ति के मामले में ईडी के निशाने पर चल रहे सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मुश्किलें आने वाले दिनों में बढ़ सकती हैं। इतनी बढ़ सकती हैं कि उन्हें शायद जेल भी हो सकती है। यह हम नहीं, सीएम खुद कह रहे हैं। उन्होंने स्वयं ही खुद के जेल जाने की आशंका जता दी है। एक तरफ सरकार के तीन साल पूरे होने की खुशी थी, तो दूसरी ओर सीएम की बातों में यह अंदेशा भी सामने आया। हेमंत सोरेन ने अपने तीन साल के कार्यकाल को खट्टे-मीठे अनुभवों के साथ पूरा कर लिया। इस मौके पर झारखंड सरकार की ओर से कई कार्यक्रम आयोजित कर हजार करोड़ रुपए से अधिक की सौगात राज्यवासियों को दी गई। यह लाभ किसान, छात्र-छात्राओं समेत अन्य जरूरतमंदों को दिया गया। लेकिन, गुरुवार को यहां हुए इस कार्यक्रम में ही सीएम श्री सोरेन कई बार असहज दिखाई पड़े। उन्होंने अपनी असहजता छुपाने का भरसक प्रयास भी किया, परन्तु जब पत्रकारों को सम्बोधित कर रहे थे, तब एकाएक बोल पड़े कि हो सकता है वह जेल भेज दिए जाएं। उन्होंने कहा- यह आशंका है कि मुझे जेल में डालने की तैयारी की जा रही है। ऐसा कहते हुए श्री सोरेन थोड़े भावुक भी नजर आये।

सियासी चर्चा... ईडी के सामने दिए गए अभियुक्तों के बयान बढ़ा सकते हैं संकट

राजनीतिक गलियारे में यह चर्चा जोरों पर है कि अवैध उत्खनन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सम्मुख अभियुक्तों ने जो बयान दिए हैं, वो सीएम के विरुद्ध जा रहे हैं। ईडी को शीर्ष अधिकारियों ने भी जो बयान दिया है, वो भी सीएम के लिए संकट बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। लोगों ने कहा है कि सीएम को उनके खास सलाहकार और अपने लोगों ने अपने काले कारनामों से परेशानी में डाल दिया। सीएम के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के कारनामे मुख्यमंत्री के लिए परेशानी का सबब बन गए हैं। पंकज मिश्रा के साथ-साथ प्रेम प्रकाश और अन्य अभियुक्तों ने ईडी के समक्ष अपने बयानों में क्या-क्या खुलासे किए हैं, यह अब तक पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो पाया है। ईडी ने न्यायालय में हलफनामे के माध्यम से विवरण दे दिया है। सीएम को यह अंदेशा हो रहा है की ईडी उन्हें किसी भी दिन गिरफ्तार कर सकता है। यदि ईडी ने सीएम को गिरफ्तार कर लिया, तो राज्य में नया सीएम कौन होगा, यह भी बड़ा सवाल है। हालांकि, फिलहाल जो स्थिति है, उसमें सीएम की गिरफ्तारी कहीं से दिख नहीं रही, लेकिन सवाल यह उठता है कि जब जेल जाने की संभावना नहीं दिख रही, तो उन्होंने भला आशंका क्यों जताई? क्या सीएम ने ये बातें झारखंड की जनता का स्नेह और प्यार पाने के लिए कीं। यदि ऐसा है तो यह गलत माना जा सकता है, क्योंकि वह राज्य में लोकप्रिय मुख्यमंत्री के रूप में स्थापित हो चुके हैं।

बड़ा सवाल... किस बात को लेकर भयभीत दिख रहे मुख्यमंत्री?

अब प्रदेश में यह चर्चा जोरों पर है कि तीन साल के शासन की खुशी के मौके पर सीएम यह गम की बात क्यों बोल पड़े। जब तमाम परिस्थितियां धीरे-धीरे सामान्य होकर उनके पक्ष में आती जा रही हैं, तो उन्हें यह अहसास हो रहा है कि वह जेल जा सकते हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या सीएम को यह सूचना मिल चुकी है कि वह किसी अनियमितता अथवा भ्रष्टाचार के आरोप में घिर चुके हैं और उन्हें अब जेल भी हो सकती है? हालांकि, संथाल परगना में एक हजार करोड़ की अवैध माइनिंग पर ईडी के बुलाने पर सवाल-जवाब की प्रक्रिया उन्होंने पूरी कर ली है। वैसे, उन्हें फिर बुलाए जाने की आशंका जताई जा रही थी, परंतु अब जब उन्होंने ईडी को अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति का ब्यौरा भी पिछले दिनों समर्पित कर दिया है, तो ऐसी स्थिति में सीएम अब भला किस बात को लेकर भयभीत दिख रहे हैं?

- संपादकीय -

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता भारत

अभी-अभी हमने देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्मदिन मनाया है, जिनके उज्वल प्रकाश ने भारत को आत्मनिर्भरता की राह दिखाई। आज भारत आत्मनिर्भरता की ओर अपना कदम बढ़ा चुका है। वर्ष 1998 में जब अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री का पद संभाला तो पूर्ववर्ती सरकारों के 'शासन' से लुप्तप्राय 'सुशासन' स्थापित करने का संकल्प लिया और 'राष्ट्र-प्रथम' की भावना से राष्ट्रहित और जनहित में फैसले लेकर अपने संकल्प को सार्थक भी किया। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में सुशासन को न सिर्फ आगे बढ़ाया जा रहा है, बल्कि देश के जन-जन में आत्मनिर्भरता का भाव भी जगाया जा रहा है। कोरोना महामारी ने जन-जीवन के साथ-साथ देश की आर्थिक तरक्की पर भी रोक लगा दी, लेकिन इसे फिर से गति देने के लिए आत्मनिर्भर भारत पैकेज की घोषणा की गई। लगभग ढ़ाई वर्ष पहले जब पूरी दुनिया कोविड की भयानक आपदा का सामना कर रही थी, तब भारत ने इस मुश्किल समय में आत्मनिर्भरता का एक नया रास्ता चुना। इसके साथ ही अर्थव्यवस्था में सुधार के साथ भारत न केवल इस मुश्किल दौर से बाहर निकला, बल्कि सितम्बर 2022 में दुनिया के शीर्ष विकसित देशों में शामिल ब्रिटेन को पीछे छोड़कर 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। भारत की रक्षा कम्पनियां ग्लोबल सप्लाई चेन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं। दुनिया के कई देश भारत के तेजस जैसे आधुनिक फाइटर जेट में दिलचस्पी दिखा रहे हैं और हमारी कम्पनियां अमेरिका, इजराइल और इटली सहित 80 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों व कल-पुर्जों की आपूर्ति भी कर रही हैं। रक्षा के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ भारत की सेनाओं ने जिन क्षमताओं को साबित किया है, उससे दुनिया आज भारतीय तकनीक पर भरोसा कर रही है। कुल मिलाकर, भारत आज हर क्षेत्र में निरन्तर आगे बढ़ रहा है। लेकिन, भारत को अगर आज कोई खतरा है तो सिर्फ आंतरिक दुश्मनों से, जो हमारे देश की अस्मिता के लिए घातक सिद्ध हो रहे हैं। अब हम नए वर्ष 2023 में प्रवेश कर चुके हैं। भारत को समृद्ध और विकसित बनाने का संकल्प हमें लेना होगा और इस संकल्प की सिद्धि समस्त देशवासियों की एकजुटता से ही संभव है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

धर्मांतरण - राष्ट्र की आत्मा का वध

- जगन्नाथ शाही -

> *धर्मांतरण कोरोना से भी भयानक है। वास्तव में कोरोना से तो व्यक्ति और शरीर मरता है, लेकिन धर्मांतरण से राष्ट्र मर जाता है। राष्ट्र की आत्मा मर जाती है।*

भारत की सीमा कभी ईरान की सीमा से लगती थी। माता कैकई का वह मायका था। माता गांधारी, जो कौरवों की मां थी, वह आज के अफगानिस्तान से आई थीं। बलूचिस्तान के बलूची हिन्दू आदिवासी थे। उन्होंने इस्वी सन 1206 में मोहम्मद गोरी को घेरकर मार डाला था। तक्षशिला, जो आज पाकिस्तान में है, वहां चाणक्य पढ़ाते थे और चंद्रगुप्त वहां के विद्यार्थी थे। संस्कृत व्याकरण अष्टाध्यायी, जिसकी आज विश्व भर में चर्चा हो रही है, के रचयिता पाणिनी भी तक्षशिला में पढ़ाते थे। राजमाता ढाकेश्वरी का प्रसिद्ध मंदिर, वंदे मातरम राष्ट्रगीत के रचयिता बंकिमचंद्र की जन्मभूमि, कवीन्द्र रवीन्द्र का सोनार बांग्ला भारत में नहीं है। वह बांग्लादेश बन गया है।

सिंधु नदी का पवित्र तट, जहां वेदों के मंत्रों की रचना हुई है, अनेक अश्वमेघ यज्ञ हुए और जिसके नाम से हमारी विश्व में पहचान है, अर्थात हम हिंदू कहलाते थे तथा हमारी जननी भारत माता हिंदू भूमि हिंदुस्थान कहलाती है, वह आज भारत में नहीं पाकिस्तान में है। यह सब जानने के बाद कोई भी आश्चर्यचकित होकर प्रश्न करेगा कि यह सब कैसे हुआ? इस प्रश्न का एकल उत्तर है, धर्मांतरण और बस धर्मांतरण। अतः जब महान देशभक्त वीर सावरकर ने सिद्धमंत्र दिया 'धर्मांतरण अर्थात राष्ट्रांतरण' तभी इस मंत्र को सिद्ध कर धर्मांतरण को रोकने का राष्ट्रीय प्रयास प्रारंभ हो जाना चाहिए था। लेकिन, अल्पसंख्यक वोट के लालची नेताओं ने वीर सावरकर के इस कथन को सांप्रदायिक और विवादास्पद बना दिया। समाचार है कि पलामू एवं समस्तीपुर के कई गांव मतांतरित होकर हिन्दू से ईसाई हो गये।

वस्तुतः, धर्मांतरण कोरोना से भी भयानक है। कोरोना से तो व्यक्ति और शरीर मरता है, लेकिन धर्मांतरण से राष्ट्र मर जाता है। राष्ट्र की आत्मा मर जाती है। अफगानिस्तान पाकिस्तान और बांग्लादेश इसके उदाहरण है। अतः धर्मांतरण को रोकना सांप्रदायिकता नहीं, सबसे महत् राष्ट्रीय कर्तव्य है। देश के प्रत्येक नागरिक और सरकार को अविलंब इस दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है, नहीं तो हम गुनाहगार होंगे।

(लेखक विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।)

नववर्ष मनाएं

-आचार्य धीरेंद्र झा-

चलो प्रिय हम दोनों
मिलकर नववर्ष मनाएं।
शिशिर ऋतु के इस दिवस का
आनंद सहर्ष उठाएं।
चलो प्रिय...।।

ठंडी शीतल दोपहर में
आंगन में सेज बिछाएं।
गुनगुनी धूप के नीचे
प्रेम बर्फ पिघलाएं।
चलो प्रिय...।।

बैठें दोनों संग में
आनन-आनन के सामने।
हाथों में हाथ हो दोनों
सानन्द हर्ष मनाएं।
चलो प्रिय...।।

पड़े किरण सूर्य की तुझ पर
फिर वापस मुझ पर आए।
ऐसे मधुर समय में
स्नेहिल पर्व मनाएं।
चलो प्रिय...।।

देख हमारी हर्ष छवि को
हवा भी मचली जाए ।
आकर टकराए हमसे
मन्द-मन्द मुस्काए।
चलो प्रिय...।।

2023 : आशाओं का नया बिहान

विजय कुमार झा

बोकारो : वक्त का पहिया लगातार चलता रहता है। पुराने का अस्त और नए का उदय स्वाभाविक और प्राकृतिक प्रक्रिया रही है। पुराने साल का बीतना और नए साल के आगमन का सिलसिला भी चलता रहता है। इस बार भी ऐसा ही हुआ, लेकिन इस बार की बात कुछ अलग थी। लगातार दो वर्षों के कोरोनाकाल के बाद कई मायनों में पीछे खिसक चुकी व्यवस्था को 2022 ने काफी हद तक संभालने का काम किया। बीते वर्ष ने एक जीवटता सिखाई और इसी जीवटता और धैर्य की बुनियाद पर नए साल 2023 में हम बैकफुट पर चली गई व्यवस्था को आगे बढ़ाने की कड़ी जारी रख सकेंगे। जाहिर है, ऐसे में नया साल 2023 आशाओं का एक नया बिहान बनकर सामने आया है। नया वर्ष बीते साल तैयार की गई बुनियाद पर विकास की नई इमारतें खड़ी करने का एक सुअवसर है। हालांकि, एक बार फिर कोरोना ने डराना शुरू कर दिया है, परंतु बावजूद इसके हम सभी को अपनी सकारात्मकता बनाए रखनी होगी। महामारी से बचाव को लेकर एहतियात बरतनी होगी। तभी हम देश के विकास में सहभागी बन सकेंगे और पिछड़ चुकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति को नए साल में पुनर्जीवन दे सकेंगे। इस वर्ष बोकारो की कई महत्वपूर्ण और चिर-प्रतीक्षित योजनाओं के धरातल पर उतरने की संभावनाएं बलवती दिख रही हैं।

हवाई सेवाएं – बोकारो से मिलेगी कोलकाता और पटना के लिए फ्लाइट

बोकारो से व्यावसायिक हवाई सेवाएं वर्षों से प्रतीक्षित उम्मीद रही है, जिसके नए साल 2023 में पूरा होने की प्रबल संभावना है। इसके बाद बोकारो से कोलकाता के लिए फ्लाइट सेवा शुरू हो सकेगी। इसके लिए तमाम तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। हालांकि, 2022 के नवंबर महीने तक ही फ्लाइट सर्विस शुरू करने की योजना घोषित की गई थी, परंतु कतिपय कारणों से ऐसा नहीं हो सका। बोकारो एयरपोर्ट लगभग बनकर तैयार है। हवाई उड़ान को लेकर जो भी आधारभूत सरंचनाएं चाहिए थीं, वह 2022 में बनकर तैयार हो गयीं। फिलहाल 1772 पेड़ों की कटाई का भी टेंडर निकाल दिया गया है। पेड़ों की कटाई शीघ्र पूरी हो जाएगी। ऐसे में हवाई परिचालन में होने वाले स्थानीय व्यवधान को दूर करने के लिए उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर दूर करने की जरूरत है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में बोकारो विधायक बिरंची नारायण के सवाल पर सकारात्मक पहल करते हुए सरकार की ओर से कहा गया कि प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में 15 जनवरी के आसपास बोकारो में एक अहम बैठक होगी। इसमें बोकारो विधायक, जिले के उपायुक्त, एयरपोर्ट अथॉरिटी व बीएसएल प्रबंधन के अधिकारी शामिल रहेंगे। बता दें कि बोकारो एयरपोर्ट से विमान के उड़ान व लैंडिंग तक में जो भी बाधाएं हैं, उनका सर्वे करने नई दिल्ली से ऑप्टिकल लाइन सर्फेस (ओएलएस) की टीम पहुंची थी। 10 दिनों तक टीम ने एयरपोर्ट का निरीक्षण कर सभी पहलुओं की जांच की। बता दें कि बोकारो एयरपोर्ट में बिजली, यात्री लांज, सिक्योरिटी इक्वीपमेंट, सीसीटीवी कैमरा, टावर, रनवे, वाहन पार्किंग और चहारदीवारी-निर्माण के साथ-साथ मोबाइल एटीसी का इंस्टॉलेशन कर फ्रीक्वेंसी मैचिंग सहित लगभग 50 करोड़ रुपए की लागत से एयरपोर्ट के अधिकतर काम पूरे हो चुके हैं। फिलहाल एयरपोर्ट के आसपास से मीट व चिकन की दुकानों को हटाया जाएगा, ताकि एयरपोर्ट के ऊपर चील, कौआ आदि पक्षी न उड़ सकें। बता दें कि केंद्र सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस) की उड़ान (उड़ेगा देश का आम नागरिक) के तहत बोकारो से व्यावसायिक हवाई सेवाएं शुरू होनी हैं। एमओयू की शर्तों के अनुसार हवाई अड्डा में राज्य पुलिस बल तथा अग्निशमन बल की प्रतिनियुक्ति की जा चुकी है। उन्हें विधिवत प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है।

स्वास्थ्य-शिक्षा – मेडिकल कॉलेज का रास्ता साफ

नए साल में बोकारो में मेडिकल कॉलेज के निर्माण की दिशा में भी ठोस एवं सकारात्मक कदम बढ़ने की संभावना है। राज्य सरकार ने हाल ही में मेडिकल कॉलेज के भवन निर्माण को लेकर भवन निर्माण निगम से डीपीआर की मांग की है। अस्पताल निर्माण समन्वय समिति के अध्यक्ष एवं बोकारो विधायक बिरंची नारायण द्वारा झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में तारांकित प्रश्न के माध्यम से बोकारो मेडिकल कॉलेज के संबंध में मामला उठाया गया था। इसके आलोक में सरकार की ओर से सकारात्मक जवाब मिला। बता दें कि बोकारो में मेडिकल कॉलेज एवं 500 बेड के अस्पताल बनाने का काम प्रगति पर है। इसके लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने सेक्टर-12 में 25 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है। भवन-निर्माण का काम बीसीसीएल की ओर से कराया जाएगा।

परिवहन – आसान होगी रांची की राह, बनेगी 27.60 किलोमीटर नई सड़क

नए साल में परिवहन के क्षेत्र में 100 करोड़ की लागत से बनने वाली कसमार से पिरगुल होकर रामगढ़ जिले के बरलंगा तक 27.60 किलोमीटर सड़क का निर्माण पूरा होने की भी संभावना है। काम शुरू हो गया है। इस सड़क के बनने से जहां ग्रामीण इलाके के लोगों को राजधानी रांची आने-जाने में सहूलियत होगी, वहीं बोकारो जिले के विकास को नई रफ्तार भी मिलेगी। क्षेत्र के लोगों को लंबी दूरी से निजात मिलते हुए करीब 20 किलोमीटर दूरी की भी बचत होगी। अभी इलाके के लोगों को कसमार और जरीडीह से निकलने के बाद पेटरवार, गोला होकर रांची आना-जाना पड़ रहा है, लेकिन इस सड़क से लोग आराम से बरलंगा जाकर मूरी के रास्ते रांची जा सकेंगे। इस मार्ग में कसमार के चौड़ा पहाड़ से नेमरा गांव के बीच घाटी भी बनेगी। लोग काफी मनोरम प्राकृतिक छटाओं का आनंद लेते हुए रांची का सफर तय कर सकेंगे।

ओरमांझी तक नया एक्सप्रेस-वे

भारत माला परियोजना के तहत जैनामोड़ के बांधडीह एनएच-23 फोर लेन मोड़ से रांची के ओरमांझी तक नए एक्सप्रेस-वे का निर्माण भी वर्ष 2023 के जनवरी माह से काम शुरू हो जाएगा। 1007 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला एक्सप्रेस-वे ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट के रूप में एनएचएआई द्वारा तैयार किया जाएगा। प्रोजेक्ट शुरू करने को लेकर कंपनी की ओर से जैनामोड़ के बहादुरपुर में कैंप कार्यालय शुरू कर दिया गया है। अभी जमीन अधिग्रहण का कुछ काम बचा हुआ है, जिस वजह से काम शुरू नहीं हो सका है, लेकिन जनवरी के बाद काम एनएचएआई की ओर शुरू कराया जाएगा। सड़क बहादुरपुर, दांतू, पेटरवार, गोला को बाइपास करते हुए रांची के ओरमांझी तक जाएगा। ऐसे में सड़क के बनने से रांची जाने में समय की बचत होगी। सड़क को गुजरात की कंपनी एनजी प्रोजेक्ट लिमिटेड बनाएगी।

तकनीक- जैनामोड़ में टेक्नोलॉजी सेंटर , तो बालीडीह में बनेगा साफ्टवेयर पार्क

नए साल में तकनीकी क्षेत्र में भी विकास की आशा है। जैनामोड़ के केंदुआडीह में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के तहत लगभग 20 एकड़ भूमि पर टेक्नोलॉजी सेंटर (टूल रूम) बनने की संभावना है। इस सेंटर को स्थापित करने के लिए भारत सरकार ने 200 करोड़ रुपए राज्य के उद्योग विभाग को आवंटित कर दिए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रस्तावित टेक्नोलॉजी सेंटर के लिए लगभग 20 एकड़ जमीन को केंद्र सरकार को हस्तांतरित कर अधिसूचना भी जारी कर दी है। सब-सेंटर से मैन्युफैक्चरिंग उद्योग को टूल बनाने के लिए कुशल श्रमिक मिलेंगे। आईटीआई सेंटर व पॉलिटेक्निक कॉलेजों के विद्यार्थी अप्रेंटिस कर सकेंगे। युवा वर्ग सब्सिडी पर प्रशिक्षण लेकर शत-फीसदी प्लेसमेंट भी ले सकेंगे। यानी यह औद्योगिक विकास में भी एक मील का पत्थर साबित होगा। दूसरी ओर, जिले के बालीडीह में 200 करोड़ की लागत से साफ्टवेयर पार्क बनाने का काम भी नए साल में धरातल पर उतरने के आसार हैं। इसके लिए रांची-बोकारो हाइवे पर बालीडीह के समीप बियाडा भवन के बगल में ही ढाई एकड़ जमीन चिह्नित की गई है। डीसी कीर्ति श्री के अनुसार इस पार्क के निर्माण के लिए फंड की स्वीकृति भी मिल चुकी है। सॉफ्टवेयर पार्क के निर्माण से यहां के युवाओं को स्थाई और अस्थाई तौर पर सॉफ्टवेयर डेवलपर्स का रोजगार मिल सकेगा।

खेल- 3.50 करोड़ की लागत से विनोद बिहारी महतो विस्थापित स्टेडियम का होगा कायाकल्प

नए साल में चास नगर निगम क्षेत्र के रामडीह मोड़ स्थित विनोद बिहारी महतो विस्थापित स्टेडियम को हाइटेक बनाने का काम पूरा होने की संभावना है। यहां खिलाड़ियों की सारी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए चास नगर निगम ने पहल शुरू कर दी है। निगम लगभग 3.50 करोड़ रुपए की लागत से इस स्टेडियम को हाइटेक बनाएगा। फिलहाल इस स्टेडियम की केवल आधा-अधूरा घेराबंदी ही हो सकी है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार प्रथम फेज में इसका काम मार्च से पहले शुरू कराने की योजना है। इसके लिए सारी प्रक्रिया की जा रही है।

रोजगार- राधागांव में बीपीसीएल का ऑयल डिपो

नए साल में राधागांव में बनकर तैयार हो चुके बीपीसीएल के ऑयल डिपो के पूरी तरह क्रियान्वित होने के आसार हैं। यहां से कंपनी झारखंड के कई जिलों में टैंकरों के माध्यम से डीजल और पेट्रोल की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। ऑयल डिपो में रेलवे रैक से डीजल और पेट्रोल पहुंचेगा, जिसके लिए रेललाइन बिछाने का काम अंतिम चरण में है। यह काम पूरा होते ही ऑयल डिपो काम करना शुरू कर देगा। डिपो के अंदर तेल के भंडारण के लिए टैंकरों का निर्माण भी हो चुका है। इस उद्योग के शुरू होने से ग्रामीण इलाके में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। कंपनी के अधिकारी दिन-रात प्रोजेक्ट को पूरा करने में लगे हुए हैं। मार्च 2023 से यहां से डीजल और पेट्रोल की आपूर्ति शुरू होने की संभावना जताई जा रही है।

रेलवे- बोकारो-तालगड़िया रेलवे दोहरीकरण

2023 में बोकारो और तालगड़िया रेलवे स्टेशन के बीच रेल लाइन दोहरीकरण का कार्य 2023 में पूरा हो जाएगा। काम लगभग 70 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जिसके पूरा होने से इस रूट से इस्पात नगर, चास और बांधडीह रेलवे स्टेशन होकर पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन शुरू होने की संभावना भी तेज हो गई है। तीनों रेलवे स्टेशनों को अत्याधुनिक तरीके से बनाया जा रहा है। हर रेलवे स्टेशन पर तीन प्लेटफार्म के साथ कई लूप रेलवे लाइन भी तैयार की जा रही है, ताकि इन स्टेशनों पर मालगाड़ियों के साथ-साथ पैसेंजर ट्रेनों का भी ठहराव हो सके।

महामारी से निपटने को बोकारो तैयार, हर स्तर पर पुख्ता व्यवस्था ... हैं तैयार हम

कोरोना से जंग... बीएसएल में बायोमेट्रिक हाजिरी पर लगी रोक, अस्पतालें अलर्ट मोड में

संवाददाता

बोकारो : विभिन्न देशों में कोरोना महामारी के एक बार फिर बढ़ते प्रकोप और भारत में भी सामने आते नए मामलों को देखते हुए एहतियातन हर स्तर पर उपाय किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कोरोना से निपटने के लिए बोकारो में जिला प्रशासन के साथ-साथ बीएसएल प्रबंधन की ओर से हर स्तर पर पुख्ता व्यवस्था और तैयारी सुनिश्चित की गई है। बीएसएस के निदेशक प्रभारी अमरेंदु प्रकाश के निर्देश पर बोकारो जनरल अस्पताल को अलर्ट में रखा गया है। जनसंपर्क पदाधिकारी अभिनव शंकर के मुताबिक इस अस्पताल में बेड, वेंटीलेटर सभी तैयार कर लिए गए हैं। 50 बेड वाले आइसोलेशन वार्ड, 18 शय्या वाले इंसेंटिव केयर यूनिट के साथ-साथ बच्चों के लिए भी अलग से 22 बेड की खास व्यवस्था की गई है। अभिनव ने बताया कि बीएसएल में केंद्र के सभी दिशा-निदेर्शों का अनुपालन किया जा रहा है।

इधर, बोकारो स्टील प्लांट में इस्पातकर्मियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था रोक दी गई। संक्रमण के खिलाफ लड़ाई एवं एहतियातन प्रबंध के रूप में यह निर्णय लिया गया तथा इससे संबंधित कई निर्देश जारी किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि बोकारो स्टील प्लांट में लगभग 11000 कर्मचारी बायोमेट्रिक सिस्टम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। कोरोना की पिछली तीन लहरों में कई बीएसएल कर्मचारी एवं उनके परिवार के लोग संक्रमित हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार अकेले दूसरी लहर में ही लगभग 900 बीएसएलकर्मी इस महामारी की चपेट में आ गए थे। बायोमेट्रिक हाजिरी प्रणाली बंद करने के अलावा बीएसएल प्रबंधन ने संक्रमण से बचाव के लिए कोरोना की जांच में तेजी लाने, टीकाकरण, सैनिटाइजेशन, फॉगिंग एवं जन-जागरूकता के लिए प्लांट के अंदर और बाहर नगर क्षेत्र में कई कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय भी लिया है। प्रत्येक विभाग के कर्मचारी कोरोना अनुरूप व्यवहार के तहत मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग आदि का इस्तेमाल करेंगे, यह सुनिश्चित करने का निर्देश जारी किया गया है।

मॉक ड्रिल के जरिए परखी गई कोरोना से निपटने की तैयारियां : उपायुक्त कुलदीप चौधरी के निर्देशानुसार जिले के 24 सरकारी एवं निजी अस्पतालों में एक साथ मॉक ड्रिल का आयोजन कर उनमें कोरोना से निपटने की तैयारियां परखी गईं। उपायुक्त श्री चौधरी स्वयं पूरी मॉक ड्रिल की मॉनिटरिंग कर रहे थे। अस्पतालों में निर्धारित मानक अथवा समय से मॉक ड्रिल का आयोजन हो, इसके लिए जिले के पदाधिकारियों को बतौर दंडाधिकारी पहले ही प्रतिनियुक्त कर दिया गया था। चास एसडीओ दिलीप प्रताप सिंह शेखावत नोडल पदाधिकारी थे।

डीसी बोले- कोविड-19 से निपटने को प्रशासन मुस्तैद

इस बावत उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने कहा कि कोविड संक्रमण को ध्यान में रखते हुए जिले के लगभग दो दर्जन सरकारी व निजी अस्पतालों में सीएचसी स्तर पर एक साथ मॉक ड्रिल की गई। महामारी से लोगों की जीवन-रक्षा के लिए अस्पताल स्तर पर सारी तैयारियां, बेड, इक्विपमेंट, ऑक्सीजन आदि का जायजा लेना इसका मकसद रहा। इसके लिए वरीय पदाधिकारियों को भी प्रतिनियुक्त किया गया था। कोविड की स्थिति से निपटने को प्रशासन मुस्तैद है।

भू-सर्वे सेटलमेंट में त्रुटियों के खिलाफ आंदोलन का निर्णय, सीएम से मिलेंगे

बोकारो : चास-चंदनकियारी रैयत संघर्ष समिति ने भू-सर्वे सेटलमेंट में कथित त्रुटियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। समिति के अध्यक्ष अजीत सिंह चौधरी की अध्यक्षता और वरीय उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता राजदेव माहथा के संचालन में हुई एक बैठक में जनसमस्याओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए आगामी रणनीतियां तय की गईं। वक्ताओं ने एक स्वर में भू-सर्वे सेटलमेंट को त्रुटियों से युक्त बताया। कहा कि वर्ष 1982 से चल रहे भू-सर्वे सेटलमेंट का निष्पादन वर्तमान तक पूरा न होना, जबकि वर्षो पूर्व हुए भू-सर्वे सेटलमेंट में काफी त्रुटियां एवं विसंगतियां से भरा हुआ है। जबकि, भारत सरकार का प्रावधान है कि हर 40 वर्ष में नया भू-सर्वे होने का नियम है और वर्ष 1981-82 से चल रहे भू-सर्वे सेटलमेंट का कार्य लगभग 40 वर्ष बीतने को है। रैयतों, किसानों के हितों के लिए नये सिरे से भू-सर्वे सेटलमेंट का कार्य हो। चास-चंदनकियारी और चंद्रपुरा प्रखंड को सुखाड़ क्षेत्र घोषित होने से वंचित रखा गया है, जिससे सुखाड़ से पीड़ित त्राहिमाम-त्राहिमाम किसान, मजदूर एवं रैयत काफी परेशान हैं। इसके अलावा चास-चंदनकियारी अंचल, प्रखंड कार्यालयों में खुले रूप से भ्रष्टाचार का खेल हो रहा है। बैठक में इन्हीं मुद्दों को लेकर जनवरी 2023 के दूसरे सप्ताह में सीएम हेमंत सोरेन से मिलने का निर्णय भी लिया गया।

कार्यक्रम गोविंदपुर भूमिगत परियोजना में खान सुरक्षा सप्ताह आयोजित, बोले- अधिकारी

सीसीएल में सुरक्षा मानक सर्वोपरि

संवाददाता

बोकारो थर्मल : सीसीएल कथारा एरिया अंतर्गत गोविंदपुर के स्वांग सी भूमिगत परियोजना में 65वें वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि नॉर्थ कर्णपुरा पिपरवार एरिया अंतर्गत चूरी परियोजना के पीओ सह कार्यक्रम के कन्वेयर एनके दुबे ने समारोह का उद्घाटन किया। अधिकारियों व कर्मियों ने खदान में सुरक्षा नियमों के पालन की शपथ ली। परियोजना के पीओ दिनेश कुमार गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। समारोह में आइएसएल की शिक्षिका सुनीता सिंह के नेतृत्व में स्कूल की छात्राओं के द्वारा स्वागत नृत्य पेश किया गया। वरीय खान प्रबंधक कृष्ण मुरारी ने स्वांग सी भूमिगत खदान के बारे में कहा कि कथारा एरिया का यह एकमात्र भूमिगत खदान है, जो कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी कोयले का उत्पादन कर रहा है। इस खदान में सुरक्षा के मानकों को सर्वोपरि मानकर कोयले का उत्पादन किया जाता है, जिसके कारण दुर्घटना नहीं होती है। पीओ सह कार्यक्रम के कन्वेयर एनके दुबे ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि गोविंदपुर स्वांग सी भूमिगत खदान में कोयला उत्पादन को लेकर काफी संभावनाएं हैं। परियोजना से 200 एमटी कोयले का उत्पादन किया जा सकता है।

इस अवसर पर टीम मैनेजर रामदेव प्रसाद, जेबीसीसीआई सदस्य लखनलाल महतो, पीओ दिनेश कुमार गुप्ता ने भी सुरक्षा की अहमियत पर प्रकाश डाला। निरीक्षण दल के सर्वे अधिकारी राकेश चंद्रा, प्रबंधक शैलेश कुमार, टीम के वरीय सर्वेयर अरुण कुमार, निरीक्षक दीपक कुमार मंडल,मनीष कुमार, आईएसओ रोहित कुमार चौधरी, सीबी तिवारी, राकेश चंद्रा, राजेश कुमार, निखिल कुमार, वरीय खान प्रबंधक कृष्ण मुरारी, कथारा के एरिया सेफ्टी आफिसर आदि ने खदान का मुआयना किया। मौके पर यूसीडब्ल्यू के एरिया सचिव रामेश्वर साव, बीएन महतो, राजकुमार साव, विकास सिंह, टिकैत महतो, माइनिंग इंचार्ज राकेश कुमार, डॉ. विपिन कुमार, सेफ्टी ऑफिसर नन्द किशोर यादव आदि रहे। कार्यक्रम का संचालन डीके मिश्रा तथा धन्यवाद ज्ञापन वरीय प्रबंधक कृष्ण मुरारी ने किया।

हफ्ते की हलचल

सरकार के 3 साल पूरे होने पर बांटी 38.34 करोड़ की परिसंपत्ति

बोकारो : राज्य की वर्तमान हेमंत सरकार के तीन वर्ष पूरे होने के अवसर पर बोकारो समाहरणालय सभागार में जिलास्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। झारनेट के माध्यम से ऑनलाइन प्रोजेक्ट बिल्डिंग के नये सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से जिले के पदाधिकारी एवं कुछ लाभुक जुड़े। मौके पर उपायुक्त कुलदीप चौधरी, उप विकास आयुक्त कीर्तिश्री जी., अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, चास एसडीओ दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, मंत्री प्रतिनिधि हीरालाल मांझी, जिला परिवहन पदाधिकारी संजीव कुमार आदि उपस्थित थे। आनलाइन माध्यम से अधिकारियों व लाभुकों ने राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों आदि का संबोधन सुना। इसके माध्यम से सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना के कुल 1,48,616 लाभुकों के बीच डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के तहत 38 करोड़, 34 लाख, 69 हजार की राशि हस्तांतरित की गई। मौके पर विभिन्न विभागों से संबंधित कुछ लाभुकों के बीच सांकेतिक रूप से परिसंपत्ति व स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए। वहीं, इस अवसर पर मुख्य रूप से वर्ष 2023 के टेबल कैलेण्डर का विमोचन भी किया गया।

चोर गिरोह का खुलासा, दो गिरफ्तार, 13 साइकिलें बरामद

बोकारो : बीएस सिटी थाना पुलिस ने साइकिल चोरी गिरोह का खुलासा करते हुए दो बदमाशों को गिरफ्तार करने में कामयाबी पाई है। उनके पास से चोरी की 13 साइकिलें बरामद की गईं। गिरफ्तार आरोपियों में एक चास चेकपोस्ट के फुटपाथ निवासी सोनू उर्फ आलम अंसारी और दूसरा पिंड्राजोरा थाना इलाके के चितामी भंडारडीह निवासी बुधु सोनार शामिल है। सिटी डीएसपी कुलदीप कुमार के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि दुंदीबाद बाजार के सरदार मुहल्ला में एक साइकिल चोर घूम रहा है। इसके बाद सिटी थाना के गश्ती दल में एएसआई उमेश कुमार सिंह ने सोनू को पकड़ा, जो एक माह पूर्व ही जेल से छूटा है। इस बीच घर में तथा घर से बाहर रखी दुंदीबाद बाजार, कोऑपरेटिव कालोनी, नया मोड तथा सेक्टरों से लगभग 15-20 साइकिलों की चोरी कर चुका है, जिसे पिंड्राजोरा के बहादुरपुर, चितामी, मंशा सिंह गेट और तुपकाडीह में बेचा है। उसकी निशानदेही पर मनसा सिंह गेट स्थित मिहिर रविदास के साइकिल मरम्मत की दुकान में छापामारी की गई, तो उसकी दुकान से विभिन्न कम्पनी की सात साइकिल और चितामी के बुधु सोनार के घर से 4 साइकिल बरामद की गई। छापामारी दल में एसआई नेयाज अंसारी, राजू कुमार राणा, प्रशांत कुमार सिंह, रोहित कुमार आदि शामिल थे।

वेदांता इलेक्ट्रोस्टील में एक और मौत, मुआवजा भी नहीं

तालगड़िया : वेदांता इलेक्ट्रोस्टील में अनहोनी और लापरवाही का सिलसिला थमता नहीं दिख रहा। बिजली के काम में विस्फोट में एक श्रमिक की मौत के बाद एक कम्पनी में कार्यरत ऑपरेशन ऑपरेटर उम्मत रुसूल की संदेहास्पद परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक पलामू जिला के बरवाही का रहने वाला था। आश्चर्य की बात तो यह है कि घटना के तीन दिन बाद तक मृतक के परिजनों को कंपनी की ओर से न तो मुआवजा दिया गया और न ही नियोजन के लिए कोई आश्वासन तक मिला। इसके खिलाफ लोगों का आक्रोश भी फूटा और लगातार तीसरे दिन भी शनिवार को खबर लिखे जाने तक धरना जारी था। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक कंपनी के 16 खाता स्थित आवास में रहकर बी एफ थ्री साइड में ड्यूटी करता था। उसके साथी शाम को उसके कमरे में उससे मिलगे गए, तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। दरवाजे को धक्का देकर अंदर जाने पर अचेत अवस्था में पाया गया। तत्पश्चात उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इधर, घटना की सूचना पर मंगलवार को मृतक के स्वजन सियालजोरी थाना पहुंचे और प्रबंधन से मुआवजे व नियोजन की मांग पर अड़े रहे। स्वजनों का कहना है कि वह घर का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। वह अपने पीछे पत्नी, दो बेटियों और एक बेटा को छोड़ गया।

एसपी ने डीपीएस चास विद्यार्थियों को दिए सफलता के टिप्स

बोकारो : आगामी बोर्ड परीक्षा तथा बेहतर करियर के लिए डीपीएस चास में मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिले के पुलिस अधीक्षक चंदन झा ने अपने अनुभव साझा करते हुए 12वीं के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि कक्षा 11-12वीं की पढ़ाई और इसकी परीक्षा विद्यार्थियों के लिए भविष्य की बुनियाद का काम करती है। यहीं से छात्र-छात्राएं अपने करियर का चुनाव कर सही दिशा में लक्ष्य बना पाते हैं। इसमें ध्यान रखने योग्य सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि करियर का चयन सोच-समझकर करें। विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार ही दृढ़ संकल्प के साथ एक लक्ष्य तय कर उसे पाने के लिए प्रयास करें, तो सफलता तय है। बता दें कि एसपी श्री झा भारत के विख्यात गणितज्ञ आनंद के ह्यसुपर-30ह्ल में मेंटर भी रह चुके हैं, जिन्होंने 2003 से 2007 तक वहाँ के विद्यार्थियों को पढ़ाया है। उन्होंने सफलता में सामाजिक जीवन और पेशेवर जीवन में संतुलन को जरूरी बताया और सिविल सर्विसेज की परीक्षाओं की तैयारी व उसमें सफलता के भी टिप्स दिए। मौके पर विशिष्ट अतिथि डीएस मेमोरियल सोसाइटी के सचिव सुरेश अग्रवाल, डीपीएस चास की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस. मोहन, प्रभारी प्राचार्य दीपाली भुस्कुटे ने भी विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

आदमखोर तेंदुए की अब खैर नहीं

गढ़वा में 4 बच्चों और कई मवेशियों को बना चुका है अपना निवाला

विशेष संवाददाता

गढ़वा : गढवा जिला के रमकंडा और आसपास के क्षेत्र में कोहराम मचाने वाले आदमखोर तेंदुए को जिन्दा या मुर्दा पकड़ने के लिए सरकार के आदेश के बाद वन विभाग की टीम मैदान में उतर चुकी है। बता दें कि अब तक आदमखोर तेंदुआ चार लोगों सहित आधा दर्जन से अधिक पालतू मवेशी को अपना निवाला बना चुका है।कुछ समय पहले दो वन रक्षक को भी मारने की कोशिश की थी। गढवा में आदमखोर तेंदुए के भय से लोग घर से बाहर नहीं निकल रहे है। ग्रामीण समुह में ही आवश्यक काम के लिए जा रहे हैं। लोगो ने घर के बाहर पालतू मवेशी भी बांधना बन्द कर दिया है। खेत-पथार में काम बन्द है। वन विभाग की टीम ने तेंदुए के सम्भावित क्षेत्र में कैमरा और पिंजरे को लगा दिया है। दिन-रात निगरानी की जा रही है।

लोगों का कहना है कि तेंदुए ने अपना क्षेत्र बदल दिया है। चार पांच दिन से लोगों ने उसकी छाया तक नही देखी है। यदि यह सही हुआ तो लोगो के लिए और घातक हो सकता है। नई जगह में वह और सक्रिय होकर लोगों पर हमला कर सकता है। लोगों का कहना है कि तेंदुए एक सप्ताह तक बिना भोजन पानी के काट सकता है। जगह में हलचल के कारण तेंदुए किसी पठारी अथवा धने जंगल में छुपा लिया है। हालांकि, वन विभाग के द्वारा लगातार सर्च अभियान चलाकर खोज जारी है। विभाग बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर उसे जिन्दा या मुर्दा पकड़ने की कोशिश कर रहा है। कुछ दिन पहले ही आदमखोर तेंदुए ने चार बच्चे की जान ले ली। साथ ही साथ एक दर्जन मवेशी को भी मार डाला।

मालूम हो कि कुछ दिन पहले देर शाम रमकंडा निवासी बारह वर्ष के हरेन्द्र घाटी को अपना शिकार बनाया। बच्चे को मार के बाद तेंदुए ने कुसवार निवासी मनसूर मंसुरी के गौशाला पर घावा बोलकर एक मवेशी को मार डाला फिर एक बैल को भी अपना शिकार बना डाला। आदमखोर तेंदुए के लगातार हमले के बाद क्षेत्र के लोग गुस्से मे नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार बली घांसी का बारह वर्ष का पुत्र हरेन्द्र घाटी बुधवार की शाम अपने दोस्तो के साथ खेलकर घर आ रहा था इसी बीच तेंदुए ने हरेन्द्र पर हमला करते हुए गर्दन दबोच लिया और उसे जंगल की ओर ले जाने लगा। तेंदुए को देखते ही शेष दोनों और बच्चे ने हल्ला करना शुरू कर दिया। बच्चे की चिललाहट पर आसपास के लोग दौड़ पड़े तो तेंदुआ हरेन्द्र को छोड़कर भाग गया, हरेन्द्र तब तक मर चुका था।

लोगों का आरोप है कि विभाग मात्र तेंदुए को पकड़े का नाटक कर रही है। झारखंड सरकार के वन विभाग में शीर्ष अधिकारी की बैठक में आदमखोर तेंदुए को जिन्दा या मुर्दा पकडने के लिए विचार-विमर्श किया गया तब टीम को प्रभावित क्षेत्र में भेजा गया है।

मिथिला-मैथिली के विकास में बेहतर कार्य के लिए अजीत वत्स सम्मानित

मधुबनी : जिले के बेनीपट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवनगर की एक और प्रतिभा ने राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति पाकर अपने गांव, जिला और क्षेत्र का मान बढ़ाया है। शिवनगर की माटी से निकले प्रतिभाशाली टीवी शो एंकर पिंकू झा उर्फ छोटू के अग्रज एवं मिथिला स्टूडेंट् यूनियन (एमएसयू) के प्रधान सचिव अजित वत्स को उनके द्वारा सामाजिक क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए मिथिला विभूति सम्मान 2022 से नवाजा गया है। अंतराष्ट्रीय मैथिली परिषद् की ओर से आयोजित विद्यापति स्मृति पर्व समारोह के दौरान अजीत को मिथिला-मैथिली के विकास तथा समाजोत्थान के कार्यों में बेहतरी के लिए नई दिल्ली में यह सम्मान प्रदान किया गया। पेशे से लेखापाल (एकाउंटेंट) अजीत की शुरू से ही सामाजिक क्षेत्रों में काफी रुचि रही है। उन्होंने इस सम्मान को अपने सभी सहयोगियों को समर्पित करते हुए कहा कि आगे भी उनकी ओर से सामाजिकता का दौर जारी रहेगा।

कोहरे ने थामी उड़ान... दरभंगा में हवाई सेवाएं प्रभावित

दरभंगा : जिले में ठंड का असर लगातार बढ़ता दिख रहा है। पूरा जिला कोहरे की चादर में लिपटा पड़ा है। इस धुंध ने उड़ान पर लगाम लगा दी है। कोहरे के कारण फिर दरभंगा एयरपोर्ट से विमानों के परिचालन पर ग्रहण लगना शुरू हो गया। विमान के रद्द होने से यात्रियों को भी पेरशानी बढ़ गई है। शुक्रवार की सुबह से दोपहर तक आसमान में कोहरा छाए रहने के कारण दरभंगा एयरपोर्ट से स्पाइसजेट के एक मुंबई जाने वाले विमान और इंडिगो का कोलकाता और हैदराबाद जाने वाले विमानों का परिचालन हो पाया। शेष तीन जोड़ी विमानों का परिचालन घने कोहरा के कारण रद्द कर दिया गया। इसके कारण यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है।

मिथिला डायरी

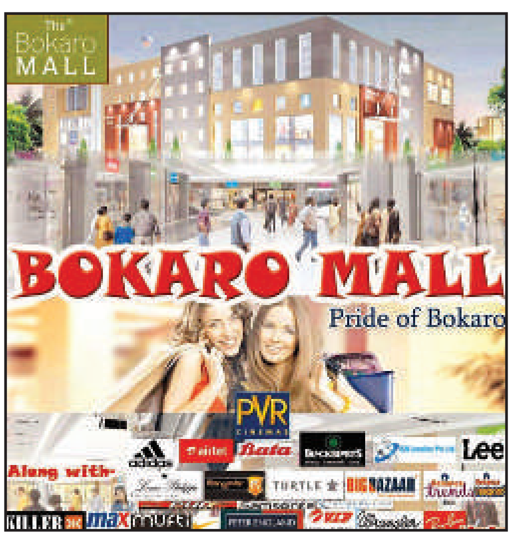

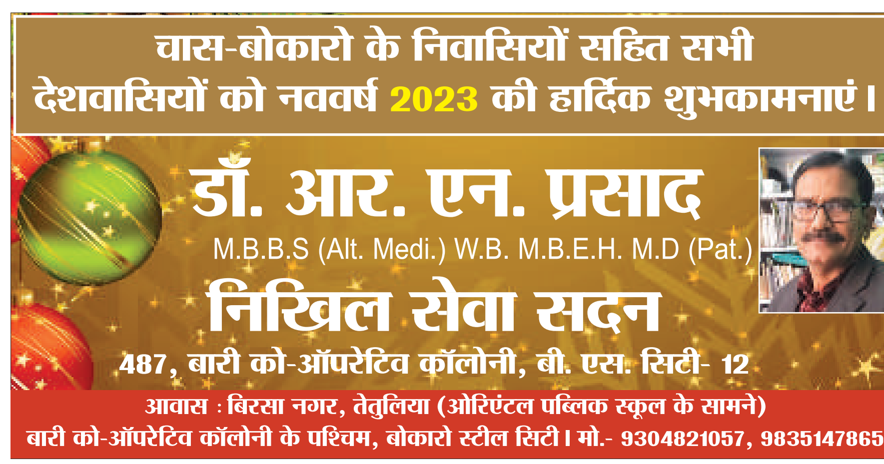

नववर्ष- नवसंकल्प का नव अवसर

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

आप सभी को नववर्ष की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। नया वर्ष आया है और आप सभी हैप्पी न्यू ईयर बोलते हुए बहुत उत्साहित हो रहे हैं, होना भी चाहिए। जीवन के कालखंड में आपके जीवन में एक और नया वर्ष आया है, तो इस नववर्ष को खुले हृदय से खुली बाहों से आकाश की ओर हाथ उठाते हुए अपने आप से भी बोले हैप्पी न्यू ईयर और इसका स्वागत करें। ईश्वर को धन्यवाद दें कि हे ईश्वर आपकी कृपा से मुझे जीवन में एक और नवीन वर्ष प्राप्त हुआ है।

नव अर्थात नवीनता और नवीनता का अर्थ है सृजन। सृजन के लिए आवश्यक है संकल्प। गत वर्ष भी आपने कुछ संकल्प लिए थे। उन पर कार्य भी किया था। कुछ संकल्प पूरे हुए, कुछ रह गए। चिंता किस बात की? पुनः संकल्प लेंगे, नवीन संकल्प लेंगे। नवीनता का अर्थ ही है सृजन और सृजन के लिए ही संकल्प लेना है कि हम अपने जीवन को सुसज्जित, सुखमय, प्रसन्नमय बनाएं।

निश्चित रूप से आपने अपने जीवन में बहुत सृजन किया है और जीवन में व्यय भी बहुत किया है। लाखों क्षणों का उपयोग भी किया है और लाखों क्षणों को गंवा भी दिया है। अब उसकी चिंता मत करो। बस यह सोचो कि सृजन की यह प्रक्रिया आह्लाद और आनंद के साथ निरंतर गतिमान होनी चाहिए।

आपने अपने जीवन में बहुत कुछ अर्जित किया, बहुत कुछ खर्च भी किया। दिन-प्रतिदिन बड़े होते गए। घर-परिवार, व्यापार में वृद्धि की, स्वयं निर्माण किया, संतान हुई, बड़ी भी हुई। उनकी शिक्षा-दीक्षा के लिए आपने व्यवस्था की, अर्जन भी किया। यही तो संपत्ति है।

अब एक बात बताओ जो संपत्ति, जो आयु तुमने खर्च कर दी, वह मूल्यवान है या जो संपत्ति तुम्हारे पास बची है और कर्म के द्वारा जिस ओर अधिक संपत्ति का सृजन करोगे वह मूल्यवान है? अरे भाई, जो खर्च हो गया, वह पूर्ण हो गया। अब जो सृजन करेंगे, वह और अधिक मूल्यवान होगा। जो व्यतीत हो गई, वह आयु तो लौटकर वापस नहीं आएगी। जो आयु आने वाली है, वह निश्चित रूप से मूल्यवान है।

इसके लिए अपने शरीर, अपनी बुद्धि और अपने मन की रक्षा करनी है। ये तीनों ही सदैव आपके साथ रहेंगे और ये तीनों ही सबसे अधिक मूल्यवान हैं। इनमें से एक में भी विचलन आया तो फिर जीवन की धारा बिखर जाएगी। इस हेतु केवल एक ही संकल्प लो कि मैं अपने शरीर, मन और बुद्धि की रक्षा करूंगा।

अपनी दृष्टि में बनें मूल्यवान

आप संतुष्ट कब होते हैं, जब सृजन करते हैं। सृजन से नवीनता का संचार होता है। नवीनता का संचार आनंद देता है और हमारे जीवन को अपनी ही दृष्टि में मूल्यवान भी बना देता है और आपको सबसे पहले अपनी दृष्टि में मूल्यवान बनना है।

कालोऽयं विलयं यात्िर्भूतगर्ते क्षणे-क्षणे।
स्मृतयस्त्वशिष्यन्ते जीवयन्ति मनांसि नः।।

प्रत्येक क्षण अतीत अतीत की खाई में गायब हो जाता है। केवल स्मृतियां ही रह जाती हैं और वे सदैव हमारे मन को सजीव रखती हैं।

हम सब क्षण-क्षण जीते हैं तो आवश्यक है कि वर्तमान क्षण का पूरा आनंद लिया जाए। वर्तमान में पूर्ण रूप से क्रियाशील हुआ जाए, न कि स्मृतियों के भंवर में ही हम उलझकर रह जाएं।

सृष्टि में सारी क्रियाएं निरंतर और निरंतर गतिशील रहेंगी। प्रकृति की क्रिया कभी रुकती नहीं, क्योंकि प्रकृति को यह ईश्वरीय आदेश है कि इस जगत को निरंतर गतिशील रखना है।

हम सब प्रकृति के स्वरूप हैं और यही बात हमें भी अपनानी है... गतिस्त्वं मतिस्त्वं गुरुत्वं शरण्यं, गुरुत्वं शरण्यं...

अपनी मति अर्थात बुद्धि की धार को सदैव तीक्ष्ण रखो, अपनी क्षमता का विस्तार करते रहो और अपनी गति को गतिशील रखो। न केवल अपने कदमों को रोकना है, न अपनी क्रिया को रोकना है। ठहरना नहीं है, नहीं तो भूतकाल की स्मृतियों को याद कर विचलित हो जाओगे। भविष्य की चिंता कर विचलित हो जाओगे। व्यर्थ के इस विचलन को दूर करो। क्रियाशील व्यक्ति कभी विचलित नहीं होता। जीवन में उत्साह तो क्रिया और कर्म से ही आता है। एक बात समझ लो कि कोई दूसरा तुम्हें उत्साह नहीं दे सकता। कोई दूसरा तुमसे उत्साह छीन भी नहीं सकता। उत्साह तो तुम्हें अपने भीतर ही निरंतर उत्पन्न करना है, यही सृजन है।

ईश्वर हमारे भीतर की प्राण-ज्योति

हमारे भीतर क्या है? हमारे भीतर है भावों का प्रवाह, हमारे भीतर विचारों का संवेग है, उद्वेग है। सबकुछ हमारे भीतर है और सबसे बड़ी बात है कि प्राण-ज्योति के रूप में हमारे भीतर ईश्वर स्थापित है और इस प्राण-ज्योति से ईश्वरीय आदेश निरंतर प्राप्त होते रहते हैं। हम ही अपनी बुद्धि से कभी आशा से भर जाते हैं, तो कभी निराशा से भर जाते हैं, ठहर जाते हैं और ठहराव विचलन को और अधिक बढ़ा देता है। पूरा जीवन तो क्षण-क्षण में बंटा हुआ है। जो क्षण तुमने आनंद से जी लिया, जिस क्षण तुमने क्रिया कर ली, वह क्षण तुम्हारा हो गया और जो क्षण तुमने व्यर्थ में खो दिया, वह तुम्हारा रहा ही नहीं।

तुलना आनंद को मार देती है

एक बात सदैव याद रखना और उसका पालन करना। कभी भी अपनी तुलना दूसरों से मत करना। यह तुलना ही आनंद को मार देती है, दुखों को समाप्त कर देती है। कभी आप अपने से ऊपर वालों को देखते हो, तो दुखी हो जाते हो। अपने से नीचे वालों को देखते हो तो कुछ क्षण के लिए सुखी हो जाते हो, पर यह सुख-दुख तो क्षणिक है। देखना है तो अपने-आप को देखो, अपने कार्यों में वृद्धि करने का प्रयास करो और यह कार्य वृद्धि स्वयं के ज्ञान से, स्वयं की चेतना से ही होगी। आपके शांत मन से ही होगी। बस, जो बीत गया, सो बीत गया... चरेवेति... चरेवेति... आगे बढ़ो।

हैप्पी न्यू ईयर!

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) - स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं बढ़ सकती हैं। रक्तचाप तथा पेट सम्बन्धी समस्याओं के प्रति सचेत रहें। लंबी यात्रा के योग बनेंगे। धन की लेनदेन में सावधानी बरतें। धैर्यपूर्वक अपने कार्य में लगे रहें।

वृष (ई उ ए ओ वा वी वू वे वो) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शरीर में जोड़ों के दर्द, पेट संबन्धी बीमारियों के प्रति सावधान रहें। बनते-बनते कार्यों में विघ्न-बाधाएं आएंगी। स्वजनों से रिश्ते बेहतर करें। सामाजिक प्रतिष्ठा का ह्रास होगा।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) - स्वास्थ्य में सुधार होगा। मन प्रसन्नचित होगा। बन्धुजनों से लाभ होंगे। भाग्य में वृद्धि होगी। पदोन्नति के लिए समय ठीक है। पिता से लाभ प्राप्त होंगे। शत्रुओं पर विजय।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) - आप अपने मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। लम्बी यात्रा के योग बनेंगे। धनागम के योग बनेंगे। शत्रुओं पर विजय। विद्यार्थियों को परिश्रम की विशेष जरूरत पड़ेगी। धार्मिक कार्यों में अभिरुचि बढ़ेगी।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) - स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। स्त्री से सम्बन्ध सुधरेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। शत्रुओं पर विजय होगी। समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सम्पर्क बढ़ेंगे। भाइयों से रिश्ते बनाकर रखें लाभ होगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) - बुरे कर्मों के फल प्राप्त होंगे। अचानक लाभ हानि के योग बन सकते हैं। धन का अधिक खर्च होगा। शत्रुओं से झगड़े होंगे। जीवन अस्त-व्यस्त होने के कारण तनाव बढ़ सकती है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) - स्वास्थ्य में सुधार होंगे। धन की प्राप्ति के योग बनेंगे। व्यापार में अच्छा लाभ होगा। स्त्रीवर्ग से लाभ। तरल पदार्थों से लाभ होगा। उत्तम भोजन,वस्त्र और शय्या सुख की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) - सुख आनन्द का अनुभव करेंगे। रोग मुक्त होंगे। स्वजनों से मनमुटाव होंगे। वाणी पर संयम रखें। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगा। सप्ताहांत में थोडा मानसिक चिंता बढ़ सकती है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। सामान्य धन लाभ हो सकते हैं। आर्थिक लेन देन में सावधानी बरतें। सप्ताहांत तक अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। राज्याधिकारियों से वाद विवाद हो सकते हैं। स्त्री सुख मिलेगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) - स्वास्थ्य अच्छा होगा। सभी कार्यों में सफलता मिल सकती है। उच्चाधिकारी प्रसन्न होंगे। मित्रों से सहायता मिलेगी। पदोन्नति होगी। व्यय अधिक हो सकते हैं।

कुम्भ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पेट सम्बन्धी समस्या हो सकती है। शत्रु परेशान करेंगे। धन व्यय के आसार बढ़ेंगे। व्यवसाय में हानि हो सकती है। धार्मिक क्रिया- कलाप के प्रति अभिरुचि बढ़ेगी।

मीन (दी दू थ झ दे दो चा ची) - स्वास्थ्य पर ध्यान रखने की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में कार्य बढ़ने से तनाव बढ़ सकते हैं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यय में अधिकता होगी। व्यक्तिगत समस्यासों को अधिक प्राथमिकता दें।

अधिक जानकारी के लिए
संपर्क करें– 7808820251

2.0 से 3.1 मिलियन टन होगी डालमिया सीमेंट की उत्पादन क्षमता

जनसुनवाई... लोगों के सुझाव से बेहतरी को आगे आई कंपनी

संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिले के औद्योगिक विकास में अहम योगदान निभा रही डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड की उत्पादन क्षमता में बढोतरी होगी। कंपनी की इकाई बोकारो सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग वर्क्स की सीमेंट उत्पादन क्षमता को 2.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष से 3.1 मिलियन टन प्रतिवर्ष तक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया है। खास बात यह है कि इसमें जनसहभागिता को खास तवज्जो दी जा रही है। इसी निमित्त एक जन-सुनवाई बैठक आयोजित की गई। बोकारो औद्योगिक क्षेत्र के फेज-4 स्थित प्लॉट नंबर-4/ए-7 (पी) 4, में आयोजित इस जन-सुनवाई बैठक में ग्रामवासियों के सुझाव आमंत्रित किए गए।

झारखण्ड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, रांची द्वारा आयोजित इस जनसुनवाई में चास के अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, अपर समाहर्ता सादात अनवर, क्षेत्रीय अधिकारी, जेएसपीसीबी-धनबाद राम प्रवेश कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, जेएसपीसीबी-रांची कुमार मणि भूषण, चास के अंचल अधिकारी दिलीप कुमार, डालमिया सीमेंट बोकारो के यूनिट हेड प्रिय रंजन, सरपंच, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, जिला परिषद, क्षेत्र के गणमान्य लोगों के साथ सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। इस दौरान ग्रामीणों ने डालमिया सीमेंट की उत्पादन क्षमता बढ़ाने को लेकर अपना समर्थन देते हुए अंचल के विकास की मांग की। अंत में जनसुनवाई सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कंपनी के अधिकारियों ने विकास में जनसहभागिता को अहम बताते हुए लोगों से सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

इधर, बीएसएल के स्टोर्स विभाग ने रेल वैगन खाली करने में बनाया कीर्तिमान

बोकारो स्टील प्लांट के स्टोर्स विभाग ने 40 रेल वैगनों को मात्र 42 घंटों में खाली कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विगत वर्षों में यही काम औसतन 66 घंटो में होता रहा है। इन वैगनों में महाराष्ट्र में सेल के चंद्रपुर प्लांट से फेरों मैंगनीज और सिलिको मैंगनीज खनिज लाये गए थे, जिनका उपयोग इस्पात बनाने में होता है। इस कार्य को स्टोर्स विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों ने एकजुट होकर आपसी समन्वय से संसाधन एवं समय का बेहतरीन प्रबंधन कर इस मुश्किल काम को रिकॉर्ड समय में अंजाम देकर एक नया बेंचमार्क स्थापित किया है। इस कार्य की सफलता में स्टोर्स विभाग के सभी अधिकारियों, कर्मियों एवं ठेका कर्मियों का अहम योगदान रहा। स्टोर्स विभाग की टीम की इस उपलब्धि पर अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) अमिताभ श्रीवास्तव ने स्टोर्स जाकर विभाग की टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्री श्रीवास्तव ने स्टोर्स विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों को आने वाले समय में भी बेहतर प्रदर्शन के सिलसिला जारी रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) हर्ष निगम सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। इस कार्य को पूरा करने में यातायात विभाग का सहयोग सराहनीय रहा।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
वृक्ष खड़े हैं सटे-सटे से
चप्पे-चप्पे पटे-पटे से
गुँथीं सभी की डाली-पत्तियाँ
परजीवी और लता-लत्तियाँ
जड़ भी हाथ मिलाते भीतर
भू के, कहता यह विज्ञान पुकार...
जंगल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल में होते कई स्तर
वनस्पति के, परत, परत पर
ये परतें नीचे से ऊपर
बढ़ती हैं, मिल गले परस्पर
निचली या बिचली, ऊपर की
सभी परत होती वन-प्राणाधार...
जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

(क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

इंडियन आइकॉन अवार्ड 2022 सहित मिल चुके हैं कई सम्मान

मधुबनी पेंटिंग के जरिए इंदु ने पाया खास मुकाम

विशेष संवाददाता

रांची : रांची की इंदु मिश्रा का नाम आज कला के क्षेत्र में किसी परिचय का मोहताज नहीं है। मधुबनी पेंटिंग के जरिए उन्होंने एक खास शोहरत और मुकाम हासिल की है, जो उनकी काबिलियत का जीता-जागता प्रमाण है। घर-गृहस्थी से समय निकालकर इंदु ने मधुबनी पेंटिंग के अपने शौक को अपना पैशन बनाया और आज उनका नाम इस क्षेत्र में बड़े ही अदब से किया जाता है। मधुबनी पेंटिंग को दुनियाभर में खास शोहरत दिलाने के लिए इंदु पिछले एक दशक से लगी हैं। दरअसल, बचपन से ही इंदु का सपना कुछ अलग करने का था। वह कुछ ऐसा करना चाहती थीं, जिससे उनके माता-पिता को उन पर गर्व हो। आज उनका सपना उनका पेशा बन चुका है। अपनी कलात्मक प्रतिभा ने उन्होंने लोगों का दिल जीत खास प्रसिद्धि पाई है। उन्होंने बताया कि भारत के कोने-कोने के अलावा लंदन सहित अन्य कई देशों में उन्होंने तीन दर्जन से अधिक कला-प्रदर्शनी लगाई है।

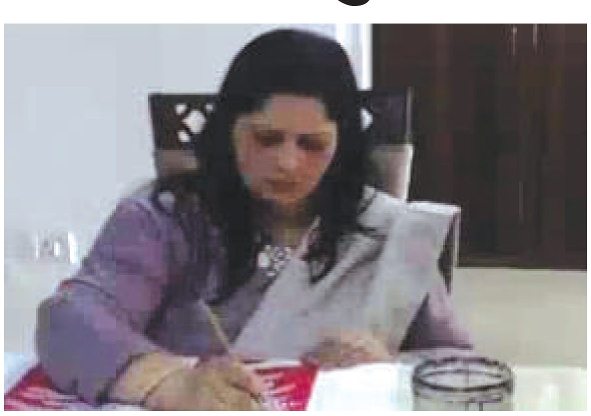

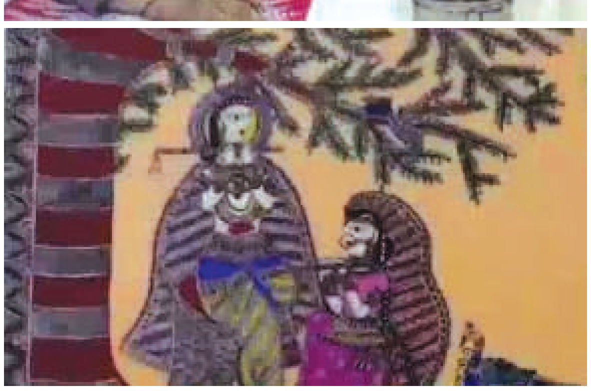

उन्होंने कहा कि राजनीति विज्ञान से स्नातक करने के दौरान ही उनके मन में अपने देश की कला और सभ्यता को अंतरराष्ट्रीय मुकाम दिलाने की सोच जगी और आज वह सोच धरातल पर वह सफलतापूर्वक उतार सकी हैं। इंदु अपनी खास प्रतिभा की बदौलत 'इंडियन आइकॉन अवार्ड 2022' सहित कई सम्मानों से नवाजी जा चुकी हैं।

उनके इस सपने को साकार करने में उनके पति सीसीएल के कार्मिक निदेशक हर्षनाथ मिश्र और उनके बच्चे भी हर कदम पर साथ दे रहे हैं। इंदु मिश्र ने कहा कि सबके सहयोग से ही उन्होंने अपने पुराने शौक को फिर से जीवित किया। पति ने अपनी पुरानी परंपरा को आगे बढ़ाने में मदद की, जिससे उनकी मेहनत रंग लाने लगी और धीरे-धीरे उनके हक की शोहरत उन्हें मिलने लगी। उनके पति श्री मिश्र ने कहा कि एक-दूसरे का सहयोग करने से ही जिंदगी आगे बढ़ती है। जब घर के लोग अपने परिजन के शौक और उसकी प्रतिभा के विकास में मदद नहीं करेंगे, तो वह आगे कैसे बढ़ेगा? यह तो आपसी समझ और सामंजस्य की बात है।

सबको आज बधाई है

माना अपना नववर्ष नहीं,
फिर भी कुछ भी कम हर्ष नहीं।

भाव ही "वसुधैव कुटुम्बकम",
सो अपना लेते सबको हम।

अब इसी कैलेंडर को हर जन,
करते हैं जग में अनुसरण।

जब सारे काम इसी से हो,
तो पीछे रहकर भी क्या हो?

मन से हो या हो मजबूरी,
तो इससे अब हो क्यों दूरी?

इसीलिए अपना ही लिया,
नववर्ष इसे सब मान लिया।

नव लक्ष्य, दृढ संकल्प संग,
पुलकित है सब का अंग-अंग।

हर दिशा में खुशियाँ छाई है,
सबको आज बधाई है।

जीवन हो सब का मंगलमय,
सब सुख हो, जीवन रहे अभय।

हो पूरे देश की समृद्धि,
सब को मिल जाए सद्बुद्धि।

स्थापित देश में शांति हो,
दूर सभी की भ्रांति हो।

सब देश के हित में काम करें,
दुनियाँ में देश का नाम करें।

सुधीर कुमार झा
कोलकाता।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा*** प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा**, फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

2023

January

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

February

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

March

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

April

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

May

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

June

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

July

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30	31					

August

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

September

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

October

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

November

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

December

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

Holidays

14 Jan. - Makar Sankranti
15 Jan.- Pongal
26 Jan.- Republic Day
26 Jan.- Saraswati Pooja
18 Feb.- Maha Shivratri
07 Mar.- Holika Dahan
08 Mar.- Holi
30 Mar.- Ramanavami
04 Apr.- Mahavir Jayanti
07 Apr.- Good Friday
14 Apr.- Ambedkar Jayanti
22 Apr.- Eid-ul-Fitar
01 May- Int. Worker's Day
05 May- Buddha Purnima
20 June- Rath Yatra
29 Jun.- Bakrid/Eid-ul-ajha
03 Jul.- Guru Poornima
29 Jul.- Muharram (Ten.)
15 Aug.- Independence Day
30 Aug.- Raksha Bandhan
07 Sept.- Janmashtami
19 Sept.- Ganesh Chaturthi
28 Sept.- Milad-ul-Nabi
02 Oct.- Gandhi Jayanti
15 Oct.- Kalash Sthapan
21 Oct.- Maha Saptami
22 Oct.- Maha Ashtami
23 Oct.- Dussehra
12 Nov.- Deepawali
13 Nov.- Govarddhan Pooja
19 Nov.- Chhath Pooja
27 Nov.- Guru Nanak Jayanti
25 Dec.- Christmas

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

News & E-paper : www.varnanlive.com | E-mail : mithilavarnan@gmail.com
Join us on : /mithilavarnan | 7979756773, Ph./Fax- 06542246899
Headquarters : MITHILA VARNAN, Sector- 3/B-94, Bokaro Steel City (Jharkhand), Pin- 827003